मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम 0 ए 0 प्रथम वर्ष ,सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि..... **15 मई 2015**

कोर्स शीर्षक - नाटक एवं नाट्यशास्त्र कोर्स कोड - एमएएसएल 104

प्रोग्राम कोड - एम ए एस एल -12 अधिकतम अंक - 40

ग्रीष्मकालीन सत्र 2014 -15

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड ' क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड ' ख ' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड ' क '

1. संक्षेप में नाट्यशास्त्र का स्वरूप लिखिए।
2. नाट्यशास्त्र के किन्हीं तीन टीकाकारों के परिचय दीजिए।
3. प्रणम्य शिरसा देवौ पितामह महेश्वरौ , नाट्यशास्त्रं प्रवक्ष्यामि ब्रह्मणा यदुदाहृतम्। इस श्लोक का सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए।
4. रूपक किसे कहते हैं , उसके भेदों का नामोल्लेख कीजिए।
5. रूपक के किन्हीं तीन भेदों का परिचय दीजिए।
6. नाटक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
7. नाटिका और नाटक में क्या अन्तर है , उल्लेख कीजिए ।
8. नृत्य और नृत्त में क्या अन्तर है , उल्लेख कीजिए।

खण्ड 'ख'

1. अर्थेपक्षेपक से आप क्या समझते हैं , उनके भेदों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।
2. नायिका भेदों का परिचय देते हुए ,उनके लक्षण और उदाहरण लिखिए।
3. रस किसे कहते हैं , धनञ्जय के रस सम्बन्धी मत की समीक्षा कीजिए।
4. ' वस्तु नेता रसस्तेषां भेदक:' की व्याख्या कीजिए ।